Daily Current Affairs
08 August 2022

Index

- चीन: पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण
- संस्कृति मंत्रालय का 'बढ़े चलो' अभियान
- भारत: 2023 तक कालाजार को खत्म करने का लक्ष्य
- उत्तराखंड सरकार ने प्रत्येक जिले में एक संस्कृत भाषी गांव विकसित करने का निर्णय लिया
- जगदीप धनखड़ भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने गए
- स्पेसएक्स ने दक्षिण कोरिया का पहला मून मिशन, दानुरी लॉन्च किया
- अंतरिक्ष में तिरंगा प्रदर्शित करने के लिए इसरो ने लॉन्च किया सबसे नन्हा रॉकेट
- भारतीय नौसेना की सभी महिला क्रू ने पहला एकल समुद्री मिशन पूरा किया

Important News: International

1. चीन: पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण

चर्चा में क्यों:

- चीन द्वारा लॉन्ग मार्च -2 एफ वाहक रॉकेट के साथ एक पायलट पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- अंतरिक्ष यान, जिसे चीन के जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्च किया गया था, पुन: उपयोग के लिए तकनीकी सत्यापन प्रदान करने के उद्देश्य से कुछ समय के लिए कक्षा में संचालित होने के पश्चात एक नियोजित लैंडिंग साइट पर वापस आ जाएगा।
- चीन का लॉन्ग मार्च 2F लॉन्च व्हीकल मुख्यत चीन के शेनझोउ क्रू मिशन को लॉन्च करता है जिसमें पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 8 मीट्रिक टन की पेलोड क्षमता है।
- नवीन अंतरिक्ष यान अमेरिकी वायु सेना के X-37B अंतरिक्ष विमान के समान आकार का है जिसे लॉन्ग मार्च 2F और इसके पेलोड को 'पुन: प्रयोज्य परीक्षण अंतरिक्ष यान' के प्रक्षेपण में सहायता के लिए संशोधित किया गया हैं।
- इससे पूर्व, चीन द्वारा सितंबर 2020 में एक पुन: प्रयोज्य प्रायोगिक अंतरिक्ष यान का कक्षीय परीक्षण किया गया था जिसने कक्षा में सिर्फ 2 दिन का समय व्यतीत किया था।
- यह मिशन चीनी मुख्य अंतरिक्ष एजेंसी, CASC द्वारा निर्मित किया गया हैं।

स्रोत: ग्लोबल टाइम्स

Important News: National

2. संस्कृति मंत्रालय का 'बढ़े चलो' अभियान

चर्चा में क्यों:

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत के युवाओं से जुड़ने और उनमें देशभक्ति की गहरी भावना पैदा करने के उद्देश्य से 'बढ़े चलो कैम्पिंग' की शुरुआत की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- बढ़े चलो कैम्पिंग का लक्ष्य आजादी का अमृत महोत्सव के बड़े पैमाने पर पहुंच के लिए 'युवा केंद्रित सक्रियण' बनाना है।
- बढ़े चलो अभियान को भारत के युवाओं को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसके तहत युवाओ को भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।
- बढ़े चलो कैम्पिंग अभियान का उद्देश्य भारत के सभी हिस्सों के युवाओं और लोगों को एक मंच पर लाना हैं, बढ़े चलो अभियान में फ्लैश डांस को भी शामिल किया गया हैं जिसे 'बढ़े चलो' की थीम पर लिखा और कंपोज किया गया है।
- मंत्रालय का उद्देश्य इन फ्लैश नृत्यों के माध्यम से अमृत महोत्सव के संदेश और भावना का प्रसार करना भी है।
- बढ़े चलो अभियान का संचालन 5 अगस्त से 10 अगस्त 2022 तक 10 शहरों में प्रतिदिन किया जायेगा तथा अभियान का ग्रैंड फिनाले 12 अगस्त 2022 को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में संपन्न होगा।
- केंद्र सरकार द्वारा प्रगतिशील भारत के 75 वर्षों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, उपलब्धियों और इसके लोगों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव पहल शुरू की गयी थी।

स्रोत: पीआईबी

3. भारत: 2023 तक कालाजार को खत्म करने का लक्ष्य

चर्चा में क्यों:

- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023 तक देश से कालाजार को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वर्ष 2030 तक इस बीमारी को खत्म करने के लक्ष्य से पूर्व है।

प्रमुख बिंदु:

- काला अजार को लीशमैनियासिस भी कहा जाता है जो एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग है, जिससे भारत सहित 100 से अधिक देश प्रभावित हैं।
- लीशमैनियासिस में बुखार, वज़न में कमी, प्लीहा और यकृत में सूजन आदि लक्षण होते हैं।
- काला अजार रोग लीशमैनिया नामक परजीवी के कारण होता है जो रेत की मक्खियों के काटने से फैलता है।
- लीशमैनियासिस या काला अजार के मुख्यता तीन प्रकार है जिसमें
    - विसरल लीशमैनियासिस जिसे इस बीमारी का सबसे गंभीर रूप माना जाता है यह शरीर के सम्पूर्ण अंगों को प्रभावित करता है।
    - त्वचीय लीशमैनियासिस का प्रभाव त्वचा के घावों में होता है तथा यह त्वचा को गंभीर रूप से प्रभावित करता हैं।
    - म्यूकोक्यूटेनियस लीशमैनियासिस से त्वचा और म्यूकोसल जैसे घाव होते है।
- भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2002 में वर्ष 2010 तक कालाज़ार उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे पूर्ण ना होने के कारण वर्ष 2015 में संशोधित किया गया था।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

Important News: State

4. उत्तराखंड सरकार ने प्रत्येक जिले में एक संस्कृत भाषी गांव विकसित करने का निर्णय लिया

चर्चा में क्यों:

- उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के 13 जिलों में से प्रत्येक में एक संस्कृत भाषी गांव विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- इस मिशन के तहत उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा मंत्री तथा इन गांवों के नागरिकों को दैनिक संचार के माध्यम के रूप में प्राचीन भारतीय भाषा का उपयोग करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

- इस योजना के तहत सरकार द्वारा स्थानीय लोगों को भाषा में संवाद करने का तरीका सिखाने के लिए चयनित गांवों में संस्कृत शिक्षकों को भेजने का प्रावधान शामिल किया गया हैं।
- नागरिको को संस्कृत में दक्षता हासिल करने में सहायता हेतु वेद और पुराण का पाठन भी इस योजना के तहत किया जायेगा।
- इस योजना के तहत "संस्कृत ग्राम" कहलाने के लिए, इनमें से प्रत्येक गाँव प्राचीन भारतीय संस्कृति के केंद्र के रूप में नामित होगा।
- संस्कृत उत्तराखंड राज्य की दूसरी आधिकारिक भाषा है जबकि राज्य की पहली आधिकारिक भाषा हिंदी है।
- उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की पहल शुरू की है।
- उत्तराखंड राज्य से पूर्व कर्नाटक राज्य में केवल एक संस्कृत भाषी गाँव मात्तुर गांव है।

स्रोत: लाइवमिंट

Important News: Personality

5. जगदीप धनखड़ भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुने गए

चर्चा में क्यों:

- जगदीप धनखड़ को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया।

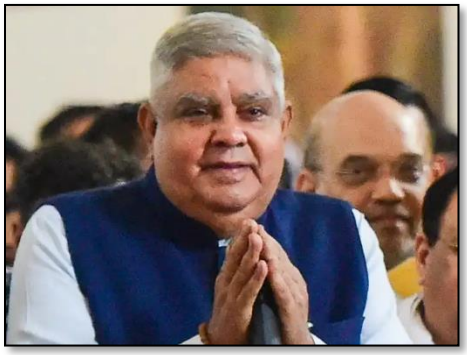

प्रमुख बिंदु:

- जगदीप धनखड़ को एनडीए द्वारा बीजेपी से उम्मीदवार बनाया गया था।
- जगदीप धनखड़ वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात 11 अगस्त को अपना पदभार ग्रहण करेंगे।
- उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कुल 725 सांसदों द्वारा अपने वोट दर्ज किए गए तथा 63 सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव 2022 भाग नहीं लिया गया।
- उपराष्ट्रपति चुनाव में जगदीप धनखड़ को कुल 528 मत मिले जबकि विपक्षी उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को 208 सांसदों का वोट प्राप्त हो सका।

- जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई 1951 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के एक सुदूर गाँव में एक कृषि प्रधान घर में हुआ था।
- जगदीप धनखड़ द्वारा अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ से पूर्ण की तथा राजस्थान विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की।
- जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति बनने से पूर्व वर्ष 1989 से वर्ष 1991 तक झुंझुनूं से लोकसभा सांसद के रूप में कार्यरत रहे तथा इसके पश्चात वर्ष 1990 वर्ष 1991 तक उन्होंने संसदीय कार्य राज्य मंत्री का पदभार संभाला।
- इसके पश्चात जगदीप धनखड़ वर्ष 1993 से वर्ष 1998 तक राजस्थान के किशनगढ़ से विधान सभा के सदस्य के रूप में कार्यरत रहे तथा वर्ष 2019 से वर्तमान तक जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 68 के अनुसार, उपराष्ट्रपति कार्यालय की समाप्ति के कारण हुई रिक्ति को भरने के लिये चुनाव, निवर्तमान उपराष्ट्रपति का कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व किया जाना आवश्यक है।
- राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 तथा राष्ट्रपति एवं उप-राष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के साथ-साथ संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उपराष्ट्रपति के के चुनाव के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है।
- उप-राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचन मंडल द्वारा किया जाता है जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, राज्यसभा के मनोनीत सदस्य, लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Science & Tech

6. स्पेसएक्स ने दक्षिण कोरिया का पहला मून मिशन, दानुरी लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:

- दक्षिण कोरिया द्वारा अपना पहला चंद्र मिशन लॉन्च किया गया जिसे पृथ्वी की निचली कक्षा से दूर अपना पहला मिशन भी कहा जा सकता है।

प्रमुख बिंदु:

- दक्षिण कोरिया द्वारा शुरू किये गए मिशन को पूर्व में कोरिया पाथफाइंडर लूनर ऑर्बिटर के नाम से जाना जाता था, जिसे वर्तमान में दानुरी के नाम से जाना जाता है।
- दानुरी "चंद्रमा" और "आनंद" के लिए कोरियाई शब्दों पर एक नाटक के रूप में प्रचलित है।
- दक्षिण कोरिया द्वारा प्रारंभ किये गए दानुरी मिशन का संचालन कोरियाई एयरोस्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट (KARI) द्वारा किया गया है।
- कोरियाई एयरोस्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा दानुरी को केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से लॉन्च किया गया था।
- अपने गंतव्य पर वापस आने से पूर्व, दानुरी सूर्य की ओर उड़ान भरेगा तथा दिसंबर के मध्य में चंद्र की कक्षा में प्रवेश करेगा जिसके लिए वह सूर्य द्वारा उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण का उपयोग करेगा।
- 62 मील ऊंची कक्षा में स्थित चंद्रमा पर पहुंचने के पश्चात दानुरी अपने छह विज्ञान उपकरणों (एक मैग्नेटोमीटर, एक गामा-रे स्पेक्ट्रोमीटर, एक प्रयोगात्मक संचार प्रणाली और तीन कैमरे) के साथ शोध संपन्न किया जायेगा।
- यदि दक्षिण कोरिया सफलतापूर्वक इस चंद्र मिशन को पूर्ण कर लेता हैं, तो दक्षिण कोरिया संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ, चीन, जापान, भारत, लक्ज़मबर्ग और यूरोपीय संघ के पश्चात चंद्रमा मिशन को पूर्ण करने वाला आठवां राजनीतिक निकाय बन जाएगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

7. अंतरिक्ष में तिरंगा प्रदर्शित करने के लिए इसरो ने लॉन्च किया सबसे नन्हा रॉकेट

चर्चा में क्यों:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा श्रीहरिकोटा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपना प्रथम लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान, एसएसएलवी-डी1/ईओएस-02 लॉन्च किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- ऐसा पहली बार है जब भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए एसएसएलवी लॉन्च करने में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया हैं।
- इसरो द्वारा प्रक्षेपित एसएसएलवी-डी1/ईओएस-02 को अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट और स्पेस किड्स इंडिया की छात्र की टीम द्वारा विकसित किया है जिसका नाम आजादीसैट रखा गया है।

- भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश के सरकारी स्कूलों की लड़कियों द्वारा आठ किलो के इस क्यूबसैट को बनाने में भाग लिया गया जो लड़कियों को "विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम)" को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के इसरो के प्रयासों का परिणाम है।
- इसरो द्वारा विकसित एसएसएलवी में पहले तीन चरणों में ठोस ईंधन और चौथे चरण में तरल प्रणोदन-आधारित वेग ट्रिमिंग मॉड्यूल का उपयोग किया गया है।
- नवनिर्मित आजादीसैट को इसरो के पीएसएलवी और जीएसएलवी लॉन्च वाहनों की तुलना में न्यूनतम लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होती है।
- आज़ादीसैट में एक लंबी दूरी का ट्रांसपोंडर और एक सॉलिड-स्टेट पिन डायोड-आधारित विकिरण काउंटर को भी शामिल किया गया है जो अपनी कक्षा में आयनकारी विकिरण को मापने में सहायक होंगे।
- कक्षा में आज़ादीसैट के साथ जुड़ने और बातचीत करने के लिए, इसरो स्पेस किड्स इंडिया द्वारा निर्मित एक ग्राउंड सिस्टम को भी इसमें नियोजित किया गया हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Defence

8. भारतीय नौसेना की सभी महिला क्रू ने पहला एकल समुद्री मिशन पूरा किया

चर्चा में क्यों:

- नौसेना की महिला अधिकारियों के दल द्वारा डोर्नियर 228 विमान पर उत्तरी अरब सागर में प्रथम स्वतंत्र समुद्री निगरानी मिशन पूरा किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- प्रथम स्वतंत्र समुद्री निगरानी मिशन को गुजरात के पोरबंदर में नौसेना एयर एन्क्लेव स्थित नौसेना की एयर स्क्वाड्रन-आई.एन.ए.एस- 314 की पांच महिला अधिकारियों द्वारा पूरा किया गया।
- मिशन की कप्तानी लेफ्टिनेंट कमांडर आंचल शर्मा द्वारा की गयी तथा उनकी टीम में पायलट लेफ्टिनेंट शिवांगी और लेफ्टिनेंट अपूर्वा गीते को शामिल किया गया था। मिशन में सामरिक और

सेंसर अधिकारी के रूप में लेफ्टिनेंट पूजा पांडा और सब लेफ्टिनेंट पूजा शेखावत द्वारा मिशन को पूर्ण करने में सहयोग दिया गया।

- इस अभियान के लिए महिला अधिकारियों द्वारा कई महीनों तक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया तथा इस ऐतिहासिक यात्रा से पूर्व उन्हें मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई थी।
- आई.एन.ए.एस.- 314 गुजरात के पोरबंदर स्थित नौसेना की प्रमुख स्क्वाड्रन है।

स्रोत: न्यूज़ ऑन एयर